अनुक्रमणिका

अनुक्रमणिका

प्रथम अध्याय - ''गिरिराज किशोर : व्यक्तित्व एवं कृतित्व'' *पृष्ठ : 1 - 20*

प्रस्तावना

1.1. जीवन परिचय

1.1.1 जन्म

1.1.2 माता

1.1.3 पिता

1.1.4 दादाजी

1.1.5 बचपन

1.1.6 शिक्षा

1.1.7 नौकरी तथा व्यवसाय

1.1.8 वैवाहिक जीवन तथा दांपत्य जीवन

1.1.9 प्रेरणा

1.2 व्यक्तित्व

1.2.1 बाह्यरंग व्यक्तित्व

1.2.2 अंतरंग व्यक्तित्व

1.2.2.1 आत्मसम्मानी और संघर्षशील

1.2.2.2 गंभीर चिंतन एवं गहन अध्येता

1.2.2.3 मिलनसार और निःस्वार्थी

1.2.2.4 गांधीवादी और ईश्वरवादी

1.2.2.5 विभिन्न रचनाकारों का प्रभाव

1.2.2.6 विशिष्ट कोटि का लेखक

1.2.2.7 स्वभाव और रुचि

1.3 कृतित्व

1.3.1 कहानी संग्रह

1.3.2 उपन्यास

1.3.3 नाटक

1.3.4 आलोचना साहित्य

1.3.5 बाल-साहित्य

1.3.6 अनूदित रचनाएँ

1.3.7 साक्षात्कार

1.3.8 सम्मान एवं पुरस्कार

1.3.9 राष्ट्रीय संगोष्ठियों में सहभाग एवं सदस्य

1.3.10 विदेशी यात्राएँ

निष्कर्ष

द्वितीय अध्याय - ''समस्या : अर्थ, परिभाषाएँ एवं स्वरूप'' *पृष्ठ : 21 - 34*

प्रस्तावना

2.1 समस्या विभिन्न अर्थ एवं परिभाषाएँ

2.2 समस्या स्वरूप

2.3 समस्या साहित्य की विशेषताएँ एवं उद्देश्य

2.4 समस्या और साहित्य का परस्पर संबंध

2.5 साहित्य, समाज और समस्याएँ - अंतःसंबंध

निष्कर्ष

तृतीय अध्याय - ''गिरिराज किशोर के कहानियों का संक्षिप्त परिचय''

पृष्ठ : 35 - 72

प्रस्तावना

3.1 नीम के फूल

3.1.1 तार द्वारा वापसी

3.1.2 शरीफ आदमी

3.1.3 चार नायक और किस्से की दूसरी कड़ी

3.1.4 पत्ते

3.1.5 जिंदगी के पीछे

3.1.6 छः शीशे दो आकार

3.1.7 विलायती कुत्ता

3.1.8 बात कौड़ी की

3.1.9 वे गुलाब

3.1.10 कलमें, काँटे और फूल

3.1.11 कठपुतली

3.1.12 असमंजस

3.1.13 तीमारदार

3.1.14 पीली पत्तियाँ नीम की

3.1.15 एक थी माँ

3.1.16 अठन्नी का घिसता वृत्त

3.1.17 और मैं था

3.1.18 सिपाही का सत्कार

3.2 रिश्ता और अन्य कहानियाँ

3.2.1 शीर्षकहीन

3.2.2 क्लर्क

3.2.3 रेप

3.2.4 गाउन

3.2.5 हत्या

3.2.6 वी. आई. पी.

3.2.7 रिश्ता

3.2.8 चेहरे

3.2.9 नायक

3.3 पेपरवेट

3.3.1 चूहे

3.3.2 पगडंडियाँ

3.3.3 नया चश्मा

3.3.4 अलग-अलग कद के दो आदमी

3.3.5 परछाइयाँ

3.3.6 तिलिस्म

3.3.7 संगत

3.4 हम प्यार कर लें

3.4.1 गुलाब जामुन खाइए

3.4.2 ठंड़क

3.4.3 मंत्री-पद

3.4.4 हंसोड जॉन

3.4.5 ततैया

3.4.6 समागम

3.4.7 वह डिनर ही था

3.4.8 रेड

3.4.9 हम प्यार कर लें

निष्कर्ष

चतुर्थ अध्याय - ''गिरिराज किशोर की कहानियों में चित्रित सामाजिक समस्याएँ''

पृष्ठ : 73 - 109

प्रस्तावना

4.1 अवैध यौन-संबंध की समस्या

4.1.1 विवाहपूर्व अवैध यौन-संबंध

4.1.2 विवाहोत्तर यौन-संबंध की समस्या

4.1.3 नाबालिग आयु में अवैध यौन-संबंध की समस्या

4.2 घरेलू नौकरों की समस्या

4.3 स्त्री-पुरुष के बीच नैसर्गिक आकर्षण की समस्या

4.4 असफल प्रेम विवाह की समस्या

4.5 समलैंगिकता की समस्या

4.6 अनाथ बच्चों की समस्या

4.7 बलात्कार की समस्या

4.8 वेश्या व्यवसाय की समस्या

4.9 विधवा समस्या

4.10 वृद्ध पिता की समस्या

4.11 प्रेम विवाह की समस्या

4.12 विवाह विच्छेद की समस्या

4.13 पुरानी तथा नयी पीढ़ी के बीच संघर्ष की समस्या

4.14 काम संबंधी एक्सचेंज संस्कृति की समस्या

4.15 महानगरों के आकर्षण की समस्या

4.16 बीमार और तीमारदार की समस्या

4.17 बाढ़ की समस्या

निष्कर्ष

पंचम अध्याय : ''गिरिराज किशोर की कहानियों में चित्रित आर्थिक समस्याएँ''

पृष्ठ : 110 - 130

प्रस्तावना

5.1 बेरोजगारी की समस्या

5.2 गरीबी की समस्या

5.3 महँगाई की समस्या

5.4 भ्रष्टाचार की समस्या

5.5 भूख की समस्या

5.6 दलाली की समस्या

5.7 अर्थ प्राप्ति लालसा की समस्या

5.8 भिक्षावृत्ति की समस्या

5.9 व्यसनाधीनता की समस्या

निष्कर्ष

षष्ठ अध्याय : ''गिरिराज किशोर की कहानियों में चित्रित राजनीतिक समस्याएँ''

पृष्ठ : 131 - 150

प्रस्तावना

6.1 दफ्तरशाही व्तर्ज लालफीताशाही की समस्या

6.2 राजनेताओं द्वारा बेरोजगार युव्कों को फसाने की समस्या

6.3 जुलूस या हड़ताल की समस्या

6.4 भ्रष्ट पुलिस व्यवस्था की समस्या

6.5 युद्ध की समस्या

6.6 दलबदलू नेता की समस्या

6.7 दोगली प्रवृत्ति के नेता की समस्या

6.8 राजनीति में सत्ता का दुरूपयोग करने की समस्या

6.9 दौरे की समस्या

निष्कर्ष

उपसंहार *पृष्ठ : 151 - 161*

संदर्भ ग्रंथ-सूची *पृष्ठ : 162 - 166*